

बता दे क्यूं भूलाया रे भूलाया रे सांवरिया भजन लिरिक्स



बता दे क्यूं भूलाया रे,
भूलाया रे सांवरिया,
खाटू वाले खाटू वाले।bd।

तर्ज - बना के क्यूं बिगाड़ा रे।

मैं क्या जानूँ दर से तेरे,
कौन यहां क्या पाता है,
मैं तो बस इतना ही जानूँ,
मुझको तू ही भाता है,
क्यूं बिसरा के,
यूँ ठुकरा के,
भूलाया रे सांवरिया,
खाटू वाले खाटू वाले।bd।

गर तुझको मंजूर नहीं तो,
कभी न आऊँ मैं दर पे,
विनती करूँ मैं एक बार बस,
हाथ तो धर दे तू सर पे,
अपना बना के,
स्वाब दिखा के,
भूलाया रे सांवरिया,
खाटू वाले खाटू वाले।bd।

इंसानों की इस बस्ती में,
कोई यहां ना मेरा है,
ना जाने अब यहां पे कब तक,
मेरा श्याम बसेरा है,
इक पल हंसा के,
जग में फंसा के,
भूलाया रे सांवरिया,
खाटू वाले खाटू वाले।bd।

दीन दयालु मैंने सुना है,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इसबोर्ड के भी हमारे ऑनलाइन वेबसाइट में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



फिर भी तेरे,
दर पे “जालान,
क्यूं ये आहें भरता है,
इतना रूला के,
दिल को जला के,
भूलाया रे सांवरिया,
खाटू वाले खाटू वाले।bd।

बता दे क्यूं भूलाया रे,
भूलाया रे सांवरिया,
खाटू वाले खाटू वाले।bd।

गायक – उमाशंकर गर्ग ।
– भजन रचयिता –
पवन जालान जी ।
94160-59499 भिवानी (हरियाणा)
